हिमालय तीर्थ स्थान, कैलाश मानसरोवर की अद्भुत जानकारी। तीर्थ स्थान के वातावरण की विस्तृत जानकारी?

अनंत:

बिल्कुल ठीक है। जैसे हिमालय की आप ने बोला कि अगर जितनी हाइट्स, जगह पर जाएंगे, ऊंचाई पर। वहां पर वायुमंडल सतो प्रदान है। तो आप के सैल्स का जो आकाश तत्त्व है। वो चार्ज होगा?

बापू जी:

आकाश तत्त्व नहीं चार्ज होगा। वहां वायु तत्त्व चार्ज होगा और वायु तत्त्व चार्ज होगा। तो वायु के अंदर अग्नि है। वायु तत्त्व सतो प्रदान होता है। तो अग्नि तत्त्व भी सतो प्रदान होता है। दो तत्त्व चार्ज हो जाते हैं। जैसे हिमालय में जितना ऊपर 5 किलोमीटर ऊपर गए, 10 किलोमीटर मतलब 5000 मीटर माना 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर जैसे मानसरोवर जाते हैं ना। तो लोगों को शांति क्यों मिलती है। वो करीबन 9 किलोमीटर ऊपर है। अरउंड अवउट 8-9 किलोमीटर ऊपर होगा, मेरे ख्याल से। तो जितना तुम ऊपर जाओगे। इतना सतो प्रदान मिलेगा। नेगेटिव वाइब्रेशंस नहीं होंगे।

अनंत:

मान लीजिए यहां कोई बीमारी से आत्मा की मृत्यु होती है। तो मृत्यु के बाद भी उस आत्मा को हिमालय पर जाना पड़ेगा, सुक्ष्म शरीर के साथ। वहां जाकर उसको तपस्या करनी पड़ेगी। वहां जाकर उसको अपने आप को जो सुक्ष्म शरीर है। जो कारण शरीर में डैमेज हुआ है। उसको भरपाई करनी पड़ेगी। फिर नया जन्म लेना पड़ेगा?

बापू जी:

कारण शरीर वहां मानसरोवर में चार्ज नहीं होगा। जैसे 5-7-8 किलोमीटर ऊपर गए। जैसे हिमालय में ऐसे कई सुक्ष्म आश्रम, बहुत हैं। बहुत आत्माएं, सुक्ष्म आश्रम चलाती हैं। मैंने एक वीडियो में बोला हुआ है, पहले कि वहां हिमालय में, ऊंचे जो जितने भी तीर्थ स्थान हैं। वहां लाखों की तादाद में लोग तपस्या कर रहे हैं। अपने ग्रुप में, गोले में, गोला बनाया। उसमें 5000 तपस्या कर रहे हैं। कोई 4000 कर रहे हैं। कोई 10,000 आत्माएं तपस्या कर रही हैं। तो वो वायु तत्त्व और अग्नि तत्त्व को चार्ज करते हैं। मगर जब यह उसको परब्रह्म परमेश्वर निराकार की याद दिलाते हैं। तो निराकार से, जो शिव निराकार को याद करते हैं। तो शिव निराकार में परम लाइट होती है। क्या होती है। बुद्धि कहां जाती है, उच्च ते उच्च परम धाम में। याद करते हैं। तो वहां परब्रह्म परमेश्वर को याद कराते हैं। अगर परब्रह्म परमेश्वर को याद कराते हैं, निराकार को। तो निराकार को याद करते-करते लवलीन अवस्था होती है। उससे प्यार होता है। तो आत्मस्वरूप में, उसको आत्मस्वरूप, तो सब कोई जानते ही हैं। तो आत्मस्वरूप बन। वो परमात्मा की याद में, वो निराकार रूप में समा जाते हैं। क्या कहते हैं, वो याद रहता है। अपने आप को भूल जाते हैं। उसको याद रह जाता है। तो उसमें से जो पावर आती है। परम लाइट आती है। तो परम लाइट में से परम महातत्त्व और परम आकाश तत्त्व चार्ज होता है। कारण शरीर माना आकाश तत्त्व। आकाश तत्त्व को चार्ज करने के लिए परम आकाश चाहिए। तो परम आकाश आ जाता है। उसकी बॉड़ी के अंदर एक बूंद भी, एक हल्का सा। तो कारण शरीर चार्ज हो जाता है। कारण शरीर चार्ज होगा, तो परम वायु। तो परम वायु , परम अग्नि सब सुक्ष्म शरीर को चार्ज कर लेती हैं और सुक्ष्म शरीर को चार्ज होने से वो आत्मा हल्की हो जाती है। फिर धीरे-धीरे ऊपर के लोकों को जाने के लिए तैयार हो जाती हैं। फिर यह दोबारा जन्म लेने के लिए तैयार नहीं होतीं, ऐसी आत्माएं। परम शांति...